Title: Need to expedite completion of various irrigation and drinking water plants in Mirzapur district, Uttar Pradesh.

श्री नरेन्द्र कुमार कुश्वाहा (मिर्ज़ापुर) : माननीय उपाध्यक्ष जी, देश के कोने-कोने में प्रचण्ड सूखा पड़ा हुआ है। ऐसी दशा में मिर्जापुर मंडल के सोनभद्र जनपद में, मिर्जापुर जनपद में ज्ञानपुर में, सन्त रविदास जनपद में कनहर परियोजना, सोन नदी परियोजना और गंगा नदी परियोजना बनाई गई है, ये परियोजनाएं बनी पड़ी हुई हैं, सूखी हुई हैं। थोड़े से धन के अभाव में, उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार की उपेक्षा की वजह से इतनी बड़ी-बड़ी योजनाएं बाधित पड़ी हुई हैं, जबकि प्रचण्ड सूखा पड़ा हुआ है। हमारे क्षेत्र में तो नंगे-भूखे लोग भी रहते हैं। वहां पानी छानकर पिलाने की बात माननीय ग्रामीण विकास मंत्री जी करते जरूर हैं, परन्तु वहां तो जोहड़, नदी-नाले सब सूखे पड़े हुए हैं और हैण्डपम्प की अलग से व्यवस्था भी नहीं है। मैंने प्रधानमंत्री जी से स्वयं लिखकर मांग की थी और मैंने ग्रामीण विकास मंत्री जी से भी मांग की थी। मैं बार-बार पत्र के माध्यम से अवगत कराता रहता हूं। जहां आदिवासी, वनवासी, मूल निवासी, नंगे भूखे, लंगोटिया यार लोग रहते हैं, जिनके लिए सदन की मर्यादा है, उस पर विचार और कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इस क्रम में कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपने तो स्टेज की तरह लैक्चर देना शुरू कर दिया।

श्री नरेन्द्र कुमार कुश्वाहा : मैं सदन के माध्यम से गुजारिश करना चाहता हूं, प्रार्थना करता हूं कि इन योजनाओं को, परियोजनाओं को तत्काल अलग से पैसा देकर ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा, वित्त मंत्रालय के द्वारा और प्रधानमंत्री जी स्वयं अपने कोा से पैसा दें। प्रचण्ड सूखे की प्राकृतिक आपदा की मार से आज गांवों की जनता जूझ रही है। भूखे-नंगे लोग ऐसे ही खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं। वह आदिवासी जनता है, जिसके लिए प्रधानमंत्री जी का स्टेटमेंट अखबारों में आता है। जिनके लिए पिछली बार भी मैंने सदन में आवाज उठाई थी, लेकिन इस सवाल पर अभी सोचा नहीं गया है।

मैं बुनियादी सवाल पर सोचने के लिए, इसे प्राथमिकता देने के लिए ग्रामीण अंचल के बुनियादी सवाल पर गांव के गये गुजरे मजदूरों और किसानों के उत्थान के लिए जो पचासों की संख्या में ट्यूबवैल्स बन्द पड़े हैं, उनको चालू करा दिया जाये और जो मेरी परियोजनाएं अधूरी हैं और थोड़े से पैसों के लिए बन्द पड़ी हैं, उनको चालू करा दिया जाये ताकि मेरे क्षेत्र के लोग इस सूखे से बच सकें और पानी पी सकें। इससे जीव-जन्तुओं की बड़ी हानि होने वाली है।

महोदय, बी.एस.पी. के लोग और छोटे-छोटे दल के लोग जब बोलते हैं तो टोका-टाकी ज्यादा होती है, ठीक है। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप लोग बुनियादी सवालों को सुनने का कट करें। जयहिन्द।